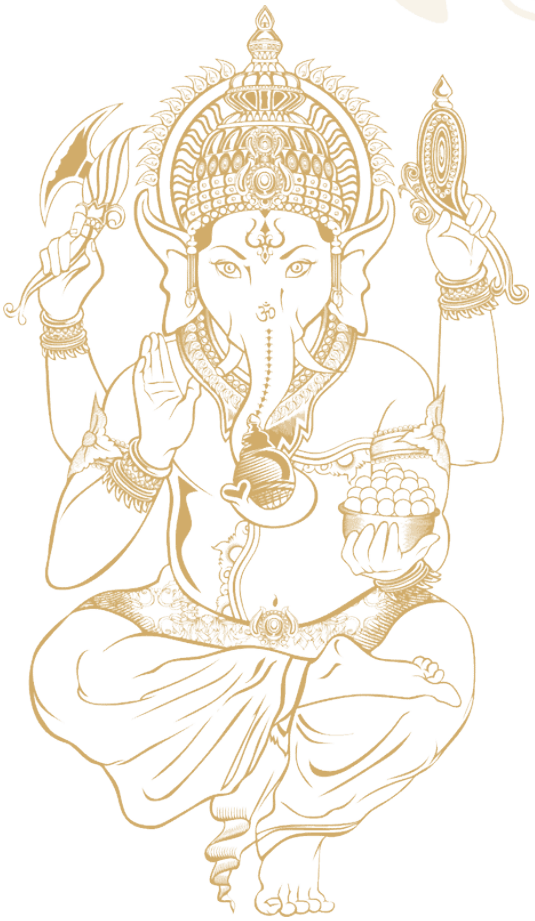

Mr. Anushree yadav

28 Dec 2008

11:50 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120893403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/12/2008**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:50:00 घंटे**
इष्ट	41:34:27 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:29:44 घंटे
वेलान्तर	-00:01:39 घंटे
साम्पातिक काल	06:00:05 घंटे
सूर्योदय	07:12:13 घंटे
सूर्यास्त	17:31:53 घंटे
दिनमान	10:19:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	13:24:51 धनु
लग्न के अंश	06:02:03 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:02:03	318:03:37	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			धनु	13:24:51	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	26:55:02	11:51:32	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
मंगल		अ	धनु	07:06:07	00:45:01	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			मक	01:04:29	01:25:32	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			मक	04:11:44	00:13:42	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	नीच राशि
शुक्र			मक	29:41:46	01:06:30	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
शनि			सिंह	27:46:20	00:00:20	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मक	15:28:10	00:02:31	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	15:28:10	00:02:31	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	25:09:45	00:01:33	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप			मक	28:21:01	00:01:44	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	07:09:08	00:02:11	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	06:02:06	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:11

लग्न-चलित

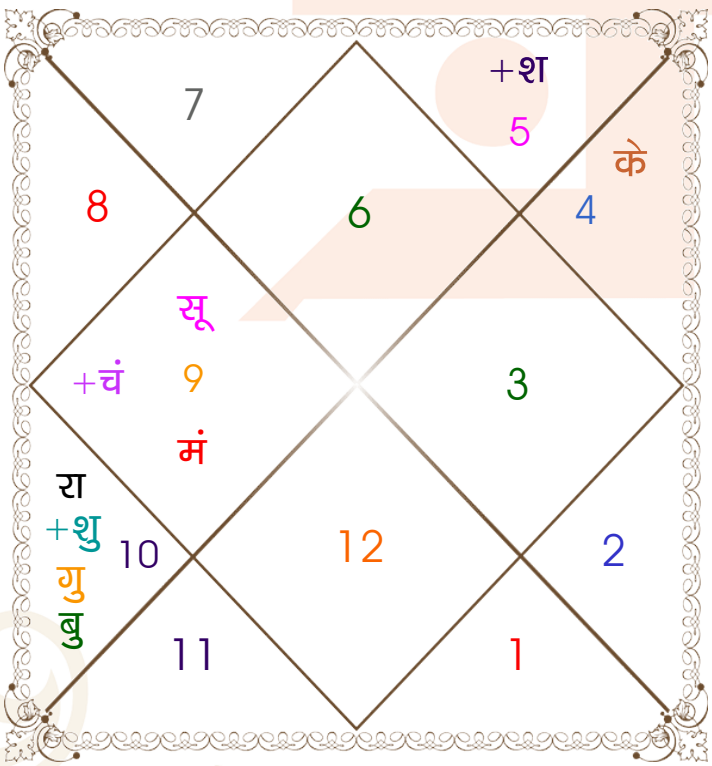

चन्द्र कुंडली

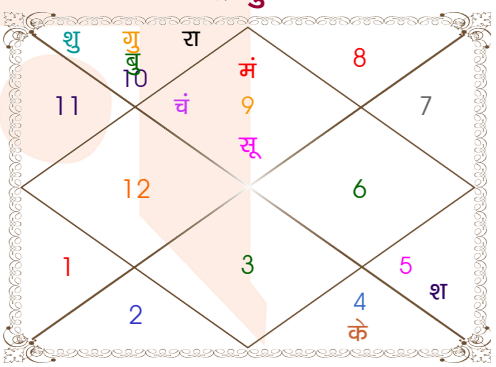

नवमांश कुंडली

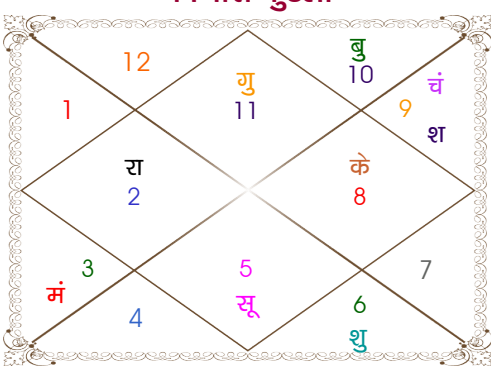

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 10 मास 19 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/12/2008		18/11/2014		17/11/2024		18/11/2031		18/11/2049	
18/11/2014		17/11/2024		18/11/2031		18/11/2049		18/11/2065	
सूर्य	07/03/2009	चंद्र	18/09/2015	मंगल	15/04/2025	राहु	31/07/2034	गुरु	06/01/2052
चंद्र	06/09/2009	मंगल	18/04/2016	राहु	04/05/2026	गुरु	24/12/2036	शनि	19/07/2054
मंगल	11/01/2010	राहु	18/10/2017	गुरु	10/04/2027	शनि	31/10/2039	बुध	24/10/2056
राहु	06/12/2010	गुरु	17/02/2019	शनि	19/05/2028	बुध	19/05/2042	केतु	30/09/2057
गुरु	24/09/2011	शनि	17/09/2020	बुध	16/05/2029	केतु	07/06/2043	शुक्र	31/05/2060
शनि	05/09/2012	बुध	17/02/2022	केतु	12/10/2029	शुक्र	06/06/2046	सूर्य	19/03/2061
बुध	13/07/2013	केतु	18/09/2022	शुक्र	12/12/2030	सूर्य	01/05/2047	चंद्र	19/07/2062
केतु	18/11/2013	शुक्र	19/05/2024	सूर्य	19/04/2031	चंद्र	30/10/2048	मंगल	25/06/2063
शुक्र	18/11/2014	सूर्य	17/11/2024	चंद्र	18/11/2031	मंगल	18/11/2049	राहु	18/11/2065

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/11/2065		17/11/2084		19/11/2101		18/11/2108		18/11/2128	
17/11/2084		19/11/2101		18/11/2108		18/11/2128		00/00/0000	
शनि	20/11/2068	बुध	16/04/2087	केतु	17/04/2102	शुक्र	20/03/2112	सूर्य	29/12/2128
बुध	31/07/2071	केतु	12/04/2088	शुक्र	17/06/2103	सूर्य	20/03/2113		00/00/0000
केतु	08/09/2072	शुक्र	11/02/2091	सूर्य	23/10/2103	चंद्र	19/11/2114		00/00/0000
शुक्र	09/11/2075	सूर्य	18/12/2091	चंद्र	23/05/2104	मंगल	19/01/2116		00/00/0000
सूर्य	21/10/2076	चंद्र	19/05/2093	मंगल	19/10/2104	राहु	19/01/2119		00/00/0000
चंद्र	22/05/2078	मंगल	16/05/2094	राहु	06/11/2105	गुरु	19/09/2121		00/00/0000
मंगल	01/07/2079	राहु	03/12/2096	गुरु	13/10/2106	शनि	18/11/2124		00/00/0000
राहु	07/05/2082	गुरु	10/03/2099	शनि	22/11/2107	बुध	19/09/2127		00/00/0000
गुरु	17/11/2084	शनि	19/11/2101	बुध	18/11/2108	केतु	18/11/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 10 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।